लेखक के बारे में

....

चित्रकार के बारे में

....

मूल प्रकाशनः रूम टू रीड इंडिया
पुनःप्रकाशनः राजीव गाँधी शिक्षा मिशन, रायपुर, छ.ग.
भाषाः गोंडी-कांकेर
अनुवादः धनाजूराम नरेटी

Room to Read
World Change Starts with Educated Children.®

चैती ना सुटर

कहानीः महेंद्र सिंह ठाकुर
चित्रः जीतेन्द्र

प्रिय शिक्षक/शिक्षिकाओं,

स्थानीय भाषा में बाल साहित्य (कहानियाँ) उपलब्ध कराने का उद्देश्य बच्चों की भाषा और संस्कृति के सम्मान के साथ उन्हें पढ़ने अथवा पढ़ना सीखने के लिए प्रेरित करना है। इन कहानियों के चयन अथवा विकास के चरण में यह ध्यान रखा गया है कि कहानियाँ बच्चों के स्तर की होने के साथ ही रुचिपूर्ण हों ताकि बच्चों का मन इन्हें बार-बार पढ़ने को करे। इस तरह बार-बार पढ़ने के प्रयास में बच्चों की पढ़ने के प्रति रुचि और जिज्ञासा बढ़ेगी तथा वह पढ़कर समझने, सीखने और अपने अनुभवों से जोड़ने के लिए प्रेरित होंगे।

यह किताब पूर्व में रूम टू रीड इंडिया द्वारा हिंदी भाषा में प्रकाशित की जा चुकी है जिसे सरगुजिहा भाषा में राजीव गाँधी शिक्षा मिशन, रायपुर द्वारा राज्य के संबंधित भाषा वाले जिलों के प्राथमिक विद्यालयों में 'मुस्कान' पुस्तकालय कार्यक्रम के तहत निशुल्क वितरण हेतु पुनः प्रकाशित किया गया है।

पुनःप्रकाशन की स्वीकृति देने के लिए हम रूम टू रीड इंडिया को साभार धन्यवाद देते हैं।

संचालक
राजीव गाँधी शिक्षा मिशन, रायपुर
छत्तीसगढ़

चैती ना सुटर

Chaiti Ka Sweater

Copyright © Room to Read 2017.
All rights reserved.

Room to Read

रूम टू रीड, साक्षरता और शिक्षा में लैंगिक समानता को केंद्र में रख कर विकासशील देशों के लाखों बच्चों की जिंदगियों में बदलाव के लिए प्रयासरत है। हम स्थानीय समुदायों, सहयोगी संस्थाओं और सरकारों के साथ मिलकर प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों में साक्षरता कौशल और पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए काम करते हैं तथा बालिकाओं को माध्यमिक शिक्षा पूरी करने में, जीवन कौशलों को विकसित करते हुए, मदद करते हैं। ताकि वे आगे की पढ़ाई जारी रख सकें और जीवन में सफल हो सकें।

Room to Read seeks to transform the lives of millions of children in developing countries by focusing on literacy and gender equality in education. Working in collaboration with local communities, partner organizations and governments, we develope literacy skills and a habit of reading among primary school children, and support girls to complete secondary school with the relevant life skills to succeed in school and beyond.

Room to Read India Trust,
Office No. 201E (B), 2nd floor, D-21
Corporate Park, Sector-21, Dwarka,
New Delhi-110075

चैती ना सुटर

कहानी: महेंद्र सिंह ठाकुर
चित्र: जीतेन्द्र

नेंक खुबे पीन मन्ता।
चैती सुटर कर्स कुन वलिय हत।
ताना सुटर हुडिला आस मन्द।

कसिंग सोर चैती पोड़द तुन कयेत।

“बग्गा हति पोड़द मामा, सान्डे वाय।”

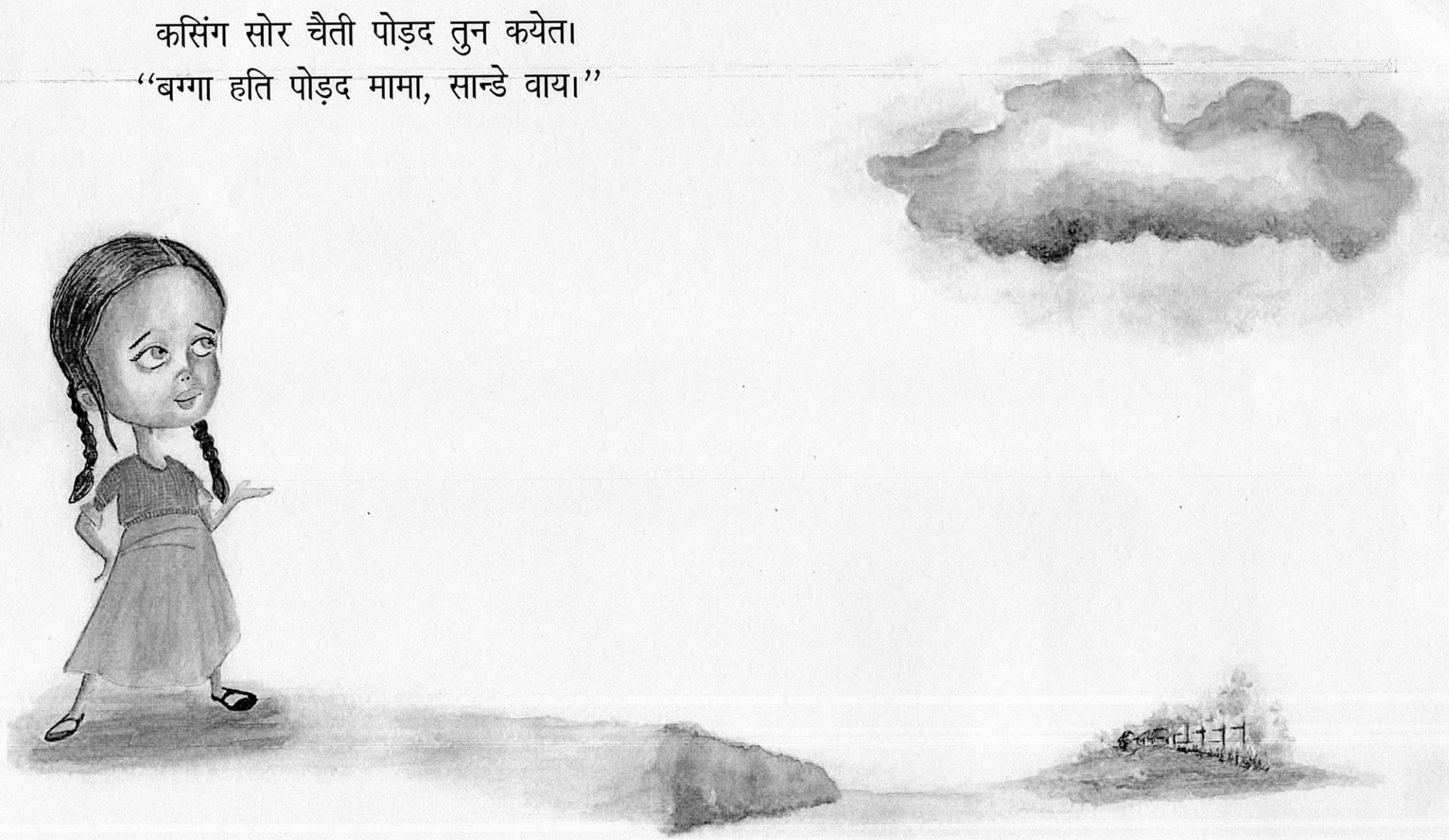

पोड़द वात एदी तात।
पीन सेउर आत।
चैती गिरदा आस एन्दनता।

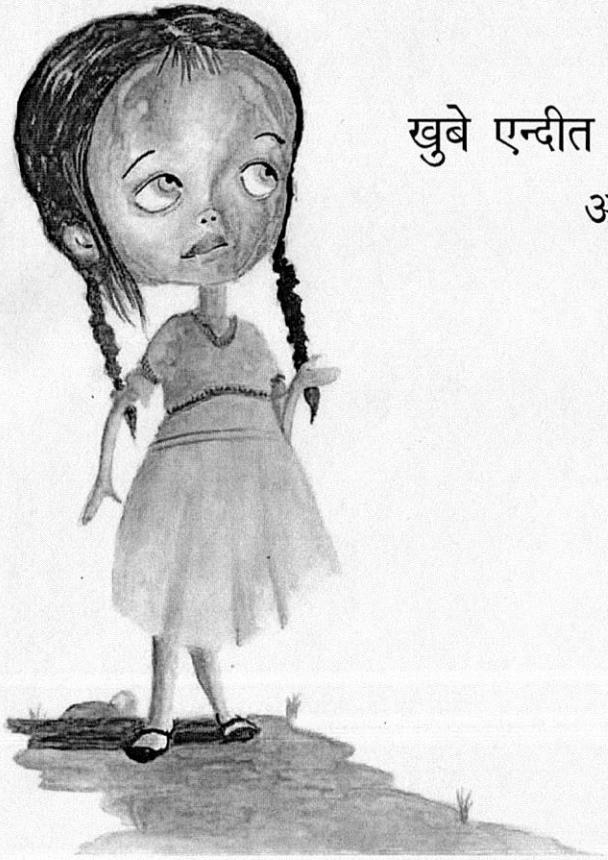

खुबे एन्दीत हेपुर पेसियत एदी
आरान्ता।

चैतीन खुबे एदी तर्त अचोने बादेर तुन केयत।
बादेर दादा सान्डे वाय।

बादेर वात पीरदुन तत।
एदी हत चैती गिरदा ते एन्दनता चैती नांदित।

सबोय तिके चिखला आत।

चैती नांदित फेर सुटर ता सूरता वात।
सुटर कर्स कुन लोन तिके वितित।